ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBBIL04292
RNI REG. NO. UPBBIL/2014/66218 PP. NO.- 228-230

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-11, No.-II, Issues-14 YEAR- Dec. -2019

मूल्यों पर सामाजिक मीडिया का प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

सरिता सिंह

अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, श्री गणेश राय पी.जी. कालेज, डोभी–जौनपुर (उ0प्र0) भारत

Received- 21.11. 2019, Revised- 29.11.2019, Accepted - 03.12.2019 E-mail: dr.saritasinghsocio@gmail.com

सारांश : *समाज में व्यक्तियों के अधिकांश व्यवहारों और उनके सोचने के ढंगों का निर्धारण संस्कृति की उन विशेषताओं के अनुसार होता है जो पुरानी पीढ़ियों के संचित अनुभवों पर आधारित होती हैं। मूल्यों के रूप में यही सांस्कृतिक विशेषताएं हमें एक विशेष ढंग से व्यवहार करने और एक दूसरे से सम्बन्ध स्थापित करने का निर्देश देती हैं। किसी समाज के मूल्य ही यह स्पष्ट करते हैं कि किसी विशेष सामाजिक घटना का हमारे लिए क्या अर्थ है, कौन से व्यवहार उचित हैं, कौन से अनुचित तथा एक विशेष परिस्थिति में व्यक्ति को किन नियमों के अनुसार व्यवहार करना चाहिए। राधाकमल मुकर्जी ने लिखा है, ''मूल्य सामाजिक रूप से मान्यता प्राप्त समूह की वे इच्छायें अथवा लक्ष्य हैं जिनका सामाजिक सीख की प्रक्रिया के द्वारा व्यक्ति के जीवन में अन्तरीकरण हो जाता है और व्यक्ति इन्हीं को अपने व्यवहार की प्राथमिकताएं, मानदंड और आकांक्षाएं मान लेता है।'' एच.एम.जॉनसन ने लिखा है, ''सामाजिक मूल्य एक सांस्कृतिक मानदंड है जिसके द्वारा विभिन्न दशाओं के बीच तुलना की जाती है, इन्हें स्वीकार अथवा अस्वीकार किया जाता है अथवा एक दूसरे की तुलना में इन्हें कम या अधिक उपयोगी माना जाता है।'' प्रत्येक समाज में परिवार, विवाह, नैतिकता, शिष्टाचार, मनोरंजन, धार्मिक विचार, अतिथि सत्कार, राजनीति आदि से सम्बन्धित बहुत से मूल्य होते हैं। उदाहरणस्वरूप, हमारे समाज में क्षमा, दया, अहिंसा तथा पुरुषार्थ के रूप में धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष आदि कुछ विशेष सामाजिक मूल्य हैं जिनका हमारे लिए एक विशेष अर्थ है तथा यह सभी मूल्य एक विशेष दृष्टिकोण को लेकर हमें विभिन्न प्रकार के व्यवहार करने की प्रेरणा देते हैं। इसी तरह हमारे समाज में विवाह का एक विशेष अर्थ है जो इसे एक धार्मिक बन्धन के रूप में स्पष्ट करता है। पश्चिमी समाजों में विवाह का अर्थ एक सुविधाजनक मैत्री सम्बन्ध से लगाया जाता है। वास्तव में मूल्य सापेक्ष होते हैं। आवश्यकताओं एवं परिस्थितियों में परिवर्तन के साथ मूल्यों में भी परिवर्तन होते रहते हैं।*

कुंजी शब्द– अधिकांश व्यवहार, निर्धारण, संस्कृति, परिवार, विवाह, नैतिकता, शिष्टाचार, सामाजिक मूल्य, मानदण्ड।

प्रस्तुत अध्ययन ''मूल्यों पर सामाजिक मीडिया का पड़ने वाले प्रभावों'' से सम्बन्धित है। सामाजिक मीडिया विचारों, भावनाओं एवं सूचनाओं को व्यक्ति से व्यक्ति, व्यक्ति से समाज तथा समाज से समाज तक सम्प्रेषित करने का माध्यम है। सामाजिक मीडिया– फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर, गुगल प्लस, यूट्यूब आदि की समाज के प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका होती है।

सवाल यह है कि जहॉ सामाजिक मीडिया एक तरफ समाज के प्रत्येक क्षेत्र– चाहे वह सामाजिक हो या आर्थिक, राजनीतिक हो या धार्मिक, सभी में एक दूसरे को सूचनाओं, विचारों एवं भावनाओं के स्तर पर जोड़ने का काम करते हैं वहीं दूसरी तरफ मूल्यों के गिरावट में भी इनकी भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है।

अध्ययन के उददेश्य –

– मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को जानना।
– प्रतिदिन के जीवन में घटित होने वाले मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों के मनोवृत्तियों को जानना।
– मूल्य और शिक्षा के बीच सह–सम्बन्ध का मूल्यांकन करना।
– सामाजिक मूल्यों के प्रति सकारात्मक एव नकारात्मक विचारों को समझना।

अध्ययन क्षेत्र– प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों में मूल्य शिक्षा का मूल्यांकन करना है। अध्ययन का क्षेत्र महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ परिसर है जिसमें बी. सी.ए. के विद्यार्थियों विषेशकर छात्राओं को शामिल किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में यह ज्ञात करने का प्रयास किया गया है कि क्या वास्तव में सामाजिक मीडिया विद्यार्थियों को उनके मूल्यों से अलग–थलग कर रहा है ? साथ ही मूल्यों के संदर्भ को विद्याथियों एवं प्राध्यापकों के सम्बन्ध से जोड़कर भी देखने का प्रयास किया गया है। मूल्य शिक्षा का विद्यार्थी जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। साथ ही सामाजिक मीडिया के माध्यम से हमें नये लोगों एवं नई संस्कृति के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है।

आधारभूत मान्यताएं –

– आज की युवा पीढी में मूल्यों का पतन हो रहा है।
– मूल्यों के गिरावट में सामाजिक मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है।

अनुरूपी लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-11, No.-II, Issues-14 YEAR- Dec. -2019

अध्ययन का महत्व– मूल्य का हमारे प्रतिदिन के जीवन में अमूल्य योगदान होता है। परेटो का कहना है कि मूल्यों का सम्बन्ध हमारे जीवन के अतार्किक पक्ष से होने के बावजूद भी सामाजिक अस्तित्व को बनाये रखने में इनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। साथ ही सामाजिक जीवन को व्यवस्थित बनाने, मानवीय गुणों में वृद्धि करने और व्यक्ति को अपने कर्तव्यों को पूरा करने की प्रेरणा देने में भी मूल्यों की भूमिका निर्णायक होती है। सामाजिक मीडिया और मानवीय मूल्यों के परस्पर सम्बन्ध के संदर्भ में युवा पीढी के विचारों, भावनाओं एवं मनोवृत्तियों को जानने की दृश्टि से प्रस्तुत अध्ययन का विशेष महत्व है।

मूल्यों पर सामाजिक मीडिया का प्रभाव बी.सी.ए. के विद्यार्थियों से पूछे गये प्रश्नों के आधार पर

क्रमांक	प्रश्नों का विवरण	हॉ	नहीं
1.	क्या मूल्य शिक्षा आपके पाठ्यक्रम में शामिल है ?	66	34
2.	क्या मूल्य शिक्षा आपके व्यवहार में बदलाव ला सकती है ?	100	00
3.	क्या मूल्य और शिक्षा में सह–सम्बन्ध है ?	66	34
4.	क्या मूल्य शिक्षा आपके दिन–प्रतिदिन के जीवन में महत्वपूर्ण है ?	100	00
5.	क्या मूल्य शिक्षा आपके कैरियर के लिए महत्वपूर्ण है ?	100	00
6.	क्या सोशल मीडिया का सामाजिक मूल्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड.ता है ?	91	09
7.	क्या सोशल मीडिया से प्राप्त सूचनाएं एवं संदेश आपके लिए उपयोगी हैं ?	100	00
8.	क्या आपको लगता है कि सोशल मीडिया के अधिक उपयोग से मूल्यों का पतन हो रहा है ?	33	67
9.	क्या आप अपना अधिकांश समय सोशल मीडिया में व्यतीत करते हैं ?	39	61
10.	क्या कोई प्राध्यापक आपकी दृष्टि में आदर्श है ?	100	00
11.	क्या आपकी दृष्टि में सोशल मीडिया अनुशासन, आदर और तत्परता जैसे मूल्यों को समाहित करने का महत्वपूर्ण साधन हो सकता है ?	33	67
12.	क्या सोशल मीडिया भ्रष्टाचार को कम कर सकता है ?	100	00

विश्लेषण एवं व्याख्या– उपरोक्त अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि मूल्यों पर आधारित शिक्षा हमारे व्यक्तित्व में निखार लाने एवं व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने में उपयोगी है। साथ ही सकारात्मक सोच एव विश्वासों को विकसित करने में भी सहायक है। अधिकतर विद्यार्थी मूल्य शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करने के पक्ष में हैं। साथ ही वे यह भी मानते हैं कि सामाजिक मीडिया का यदि संतुलित रूप में उपयोग किया जाय, तो मूल्यों पर इनका प्रभाव निश्चित रूप से सकारात्मक होगा। विद्यार्थियों का यह मानना है कि मूल्य शिक्षा हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि –

– यह निर्णय लेने में सहायक है।
– व्यवहार में सुधार लाती है।
– कैरियर में सहायक है।
– इससे व्यक्तित्व में निखार आता है।

विद्यार्थियों के अनुसार सोशल मीडिया भ्रष्टाचार को निम्न प्रकार से कम कर सकता है–

– भ्रष्टाचार करने वाले व्यक्ति का पर्दाफाश करके।
– लोगों में जागरूकता पैदा करके
– सूचनाओं का बडे. पैमाने पर आदान–प्रदान करके।

इसके अतिरिक्त यह पूछे जाने पर कि ''आपकी दृष्टि में आदर्श शिक्षक कौन है ?'' के जवाब में विद्यार्थियों ने बताया कि वह शिक्षक जो व्यवहार कुशल, आत्मानुशासित, नियमित एवं कर्तव्यनिष्ठ हो, वही आदर्श शिक्षक है।

सुझाव–

– मूल्य शिक्षा को पारम्परिक एवं व्यावसायिक शिक्षा दोनों ही पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए।

– शिक्षण संस्थानों में उच्च कोटि के मूल्यों वाले शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए, जिससे विद्यार्थी उनके आचरण का अनुकरण करके एक आदर्श नागरिक बन सकें।

– मूल्य शिक्षा का उपयोग विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के लिए किया जाना चाहिए। इसके लिए कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों का समय–समय पर आयोजन किया जाना चाहिए।

– शिक्षण संस्थानों में मानवीय मूल्यों के संरक्षण के लिए कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ की स्थापना की जानी चाहिए, जिससे देश में बढ़ रहे अपराध, भ्रष्टाचार, हिंसा जैसे सामाजिक समस्याओं पर अंकुश लग सके।

– मूल्य शिक्षा एवं सामाजिक मीडिया का उपयोग विद्यार्थियों के माध्यम से सामाजिक जन–जागरूकता उत्पन्न करने में किया जाना चाहिए।

निष्कर्ष – मूल्य किसी न किसी रूप में हमारी आम दिनचर्या में शामिल हैं। वास्तव में, मूल्यों की प्रकृति सामूहिक होती है और लोगों की मनोवृत्तियों का निर्धारण करने में मूल्य एक दबाव का काम करते हैं। इस संदर्भ में प्रख्यात जर्मन समाजशास्त्री मैक्स वेबर ने यहॉ तक लिखा है कि किसी समाज में मानव व्यवहारों का वैज्ञानिक विश्लेषण करने के लिए यह आवश्यक है कि उस समाज के मूल्यों से सम्बन्धित लक्ष्यों और उन्हें प्राप्त करने के साधनों को समझ लिया जाए। इस प्रकार मूल्य शिक्षा को बढ़ावा देने में भी सामाजिक मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। विद्यार्थियों को मूल्य शिक्षा से सम्बन्धित जो भी महत्वपूर्ण सूचनाएं अब तक उपलब्ध नहीं थीं, सामाजिक मीडिया के माध्यम से

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-11, No.-II, Issues-14 YEAR- Dec. -2019

उन्हें सुगमता से प्राप्त हो रही हैं। साथ ही सामाजिक मीडिया के माध्यम से विद्यार्थियों में अपने परम्परागत मूल्यों के प्रति विश्वास भी बढ़ा है।

REFERENCES

1. Radhakamal Mukerjee: The Social Structure of Values, Macmillan & Co., London, 1949.
2. R. K. Mukerjee: Social Thought From Comte to Mukerjee, Vivek Prakashan, New Delhi, 2016.
3. Yogesh Kumar Singh: Value Education, APH Publishing Corporation, New Delhi.
4. N.L. Gupta: Human Values in Education, Concept Publishing Company, New Delhi.
5. M.M. Gandhi: Value Orientation in Higher Education Challenges and Role of Universi ties and Colleges: Retrospect and Future Options., (article) International Journal of Education and Psychological Research (IJEPR), Volume - 3, March-June, 2014.
6. Pratiksha Padmasri Deka, A Study on Im pact of Social Media on Educational Efforts in Guwahati City, Assam (article) Interna tional Journal of Advanced Research in Edu cational Technology (IJARET), Vol.-2, Issue-3, July-Sept. 2015.

*****